ट्रेंड में आए नए डिजाइन के सूट, युवतियों में बढ़ी डिमांड

नव भारत न्यूज

इंदौर. रक्षाबंधन को लेकर बाजारों में खरीदारी का उत्साह दिखाई दे रहा है. त्योहार पर खासतौर पर युवतियां और महिलाएं नए और ट्रेंडिंग डिजाइन के सूट खरीदने में रुचि दिखा रही हैं. राजवाड़ा स्थित एचएस फैशन पर भी इन दिनों अलग-अलग डिजाइन और पैटर्न के सूट की मांग बढ़ी है.

दुकानदार मोहम्मद हुसैन ने बताया कि इस बार रक्षाबंधन पर कई नए डिजाइन के सूट ट्रेंड में हैं. इनमें चिकनकारी सूट, अनारकली सूट, शरारा सूट, गरारा सूट, अंगरखा सूट, पेप्लम सूट, पटियाला सूट, स्ट्रेट कट सूट, ए-लाइन सूट, पलाजो सूट, कुर्ती-पैंट सेट, कुर्ती-स्कर्ट सेट, को-ऑर्ड सूट सेट, लखनवी सूट, बंदद्धद्धद्ध सूट, लेहरिया सूट, फ्लोरल प्रिंट सूट और ऑर्गेंजा दुपट्टे वाले सूट शामिल हैं. मोहम्मद हुसैन ने बताया कि इनमें चिकनकारी, अनारकली और शरारा सूट युवतियों की खास पसंद बने हुए हैं. वहीं हल्के रंगों जैसे पिंक, पीच, लैवेंडर, स्काई ब्लू, क्रीम और ग्रीन में आने वाले सूट भी पसंद किए जा रहे हैं. कई युवतियां ऐसे सूट पसंद कर रही हैं, जिन्हें रक्षाबंधन के अलावा अन्य छोटे-बड़े पारिवारिक कार्यक्रमों में भी पहना जा सके. इसी दौरान दुकान पर सूट खरीदने पहुंची ग्राहक जिया ने बताया कि वह रक्षाबंधन के लिए नया और ट्रेंडिंग सूट लेने आई हैं. उन्होंने चिकनकारी सूट पसंद किया और उसे ही खरीदा. जिया ने बताया कि चिकनकारी सूट अभी काफी ट्रेंड में है और इसका डिजाइन देखने में बेहद सुंदर व एलिगेंट लगता है. दुकानदार के अनुसार त्योहार के मौके पर सूट के साथ ऑर्गेंजा दुपट्टा, जुमके, मोती की ज्वेलरी और चूड़ियां पहनने का फैशन भी युवतियों को पसंद आ रहा है. रक्षाबंधन के चलते बाजारों में एथनिक वियर की खरीदारी में भी तेजी देखने को मिल रही है.

काश! कान्ह नदी नर्मदा नदी की तरह हो जाए...

नवभारत
कैसा हो सपनों का इंदौर

संध्या राणे (लेखिका)

यूं तो हमारा इंदौर पोहा, जलेबी, गराडू, भुट्टे के कीस, व जोशी के दही बड़े के नाम से भी जाना जाता है, पर इसके साथ कई और प्रमुख विशेषताएं है जैसे यहां की छतरियां, माता अहिल्या देवी का राजवाड़ा

हम कैसे भूल सकतें हैं? हम यह भी नहीं भूल सकते की इंदौर हमारे देश का सबसे स्वच्छ शहर है. इसके साथ ही हमारा इंदौर मध्य प्रदेश का प्रमुख इकोनामिक आईटी हब भी बन रहा है.

हमारा इंदौर जैसे-जैसे विकास के मार्ग पर तेजी से बढ़ रहा है तो लगता है यहां कुछ कमियां भी नजर आने लगती है, अगर इनमें सुधार हो तो हम इंदौरियों की बल्ले-बल्ले हो जाए. यहां के रहवासियों को कुछ सुविधा चाहिए. कुछ सुविधाएं तो है पर उनमें सुधार हो और उन्हें और बेहतर बनाने की कोशिशे तेजी से हो. स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत इंदौर के बाशिंदों को व सार्वजनिक स्थानों पर शुद्ध पानी उपलब्ध हो. भिन्न-भिन्न स्थानों में जैसे रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, शहर के प्रमुख चोराहों पर जहां बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही होती है वहां पर वाटर डिस्पेंसरी मशीनें लगाई जाए. इंदौर में वायु की गुणवत्ता फिलहाल संतोषजनक स्थिति में है, जिसे हमें बरक़रार रखना है. अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की कोशिशें करके हम हवा को शुद्ध कर सकते हैं.

यातायात से संबंधित नियमों के पालन में भी हमें बहुत ध्यान रखना है, प्रशासन से हम अपेक्षा रखते हैं कि हमारे इंदौर की सड़के न केवल साफ-सुथरी हो, बल्कि गड्ढों से भी मुक्त हो ताकि आवागमन सुगमता पूर्वक हो सके. इसके साथ ही पैदल चलने वालों के लिए फुटपाथ का होना भी बहुत जरूरी है. हमारे इंदौर में कहीं फुटपाथ है तो कहीं है हीं नहीं. जहां पर है वहां पर लोगों ने, पार्किंग के लिए उनका उपयोग करने के लिए वह स्थान घेर लिया है. कुछ रेहड़ी वालों ने भी फुटपाथ पर अपना कब्जा कर रखा है, जिससे पैदल चलने वाले सड़क पर चलने को मजबूर हो जाते हैं, जिससे सदैव सड़कों पर एक्सीडेंट का खतरा बना रहता है। ई-रिक्शा वालों पर नियंत्रण बहुत जरूरी है, ई-रिक्शा वाले अपने झोन को छोड़कर पूरे शहर में इधर-उधर दौड़ते रहते हैं. यातायात व्यवस्था के लिए ये चुनौती बनते जा रहें हैंय इंदौर में ट्रैफिक नियंत्रण करना बहुत जरूरी हो गया है आए दिन हमें दुर्घटनाएं होने की ख़बरें पढ़ने को मिलती रहती हैं.

> सुना है कि हमारे इंदौर में एक छोटी सी नदी भी थी जो कान्हा या खान नदी के नाम से जानी जाती थी, अब वह नाले में परिवर्तित हो गई, कारण समय के साथ शहरी करण और औद्योगिक कचरे की मार उसे सहनी पड़ी. हालांकि स्मार्ट सिटी मिशन के तहत इसका पुनरुद्धार हो रहा है पर बहुत धीमी गति से. अगर इसमें स्वच्छ जल का प्रवाह शुरू हो जाए तो इंदौर में चार चांद लग जाए. स्वच्छ होने के बाद पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा. नदी के आसपास का वातावरण बेहतर हो जाएगा. फिलहाल तो इंदौर के संदर्भ में यही अपेक्षाएँ और उम्मीद है

रात्रि भोजन बनाना महापाप : आचार्य विजय नित्यसेन

नव भारत न्यूज

इंदौर. भोजन के विषय में दृष्टांत भोजन निर्माण करते समय पूर्ण जयणा रखनी चाहिए। कभी भी रात्रि में भोजन का निर्माण नहीं करना चाहिए, क्योंकि शास्त्रों में इसे पाप का कारण बताया गया है. रात्रि में भोजन बनाने का दोष बनाने वाले एवं उसका सेवन करने वाले दोनों को लगता है.

यह बात चातुर्मासिक प्रवचन के दौरान वरिष्ठ मुनिराज सिद्धरत्न विजय ने कही. उन्होंने कहा कि भोजन बनाने वाले व्यक्ति को कभी भी अहंकार नहीं करना चाहिए. हमें यह समझना चाहिए कि हम केवल व्यवस्था करने वाले हैं, वास्तविक रूप से भोजन निर्माण की प्रक्रिया में अनेक जीवों का संबंध होता है. अतः भोजन के प्रति भी विनय, संयम और जयणा का भाव रखना चाहिए। इस अवसर पर विद्वद रत्न विजयजी ने कहा कि जगत में तीर्थ दो बड़े, माता और पिता. इनसे बढ़कर इस संसार में, न कोई देवता, न कोई तीर्थ, न कोई महत्ता. चातुर्मास कार्यक्रम के दौरान दादा गुरुदेव श्रीमद् विजय राजेंद्रसूरीश्वरजी की 200वीं जन्म शताब्दी के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिए मनुहार पत्रिका का विमोचन किया गया.

इस्कॉन मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा का समापन

इंदौर. निपानिया स्थित इस्कॉन मंदिर में तीन दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का सोमवार को भव्य समापन हुआ. वृंदावन के युवा कथावाचक मधुकंठ दास द्वारा प्रस्तुत दिव्य कथा में लोगो ने बड़ी संख्या में पधारकर कथा का आनंद लिया. कथा के दौरान भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं, उनके भक्तों के चरित्र एवं भक्ति के महत्व को समझने का अवसर मिला.

साथ ही श्रद्धालुओं ने श्री श्री राधा गोविंद देव के दर्शन कर उनकी पूजा एवं आरती में भी भाग लिया। कथा के बाद भक्तों के लिए विशेष प्रसाद भी रखा गया था.

सेहत और संस्कृति का समागम बना 'हरिओम' समूह

नव भारत न्यूज

इंदौर. लालबाग में प्रातः भ्रमण के साथ स्वास्थ्य और भारतीय संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिलता है. पिछले करीब एक दशक से साहित्यकार हरेराम वाजपेयी के मार्गदर्शन में 'हरिओम 'समूह नियमित रूप से स्वास्थ्य गतिविधियां संचालित कर रहा है. हालांकि वाजपेयी वर्ष 1986 से लालबाग में नियमित रूप से आते रहे हैं.

करीब 20 सदस्यों वाले इस समूह में व्यवसायी, सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी, पुलिसकर्मी सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग शामिल हैं. समूह के अधिकांश सदस्य 60 वर्ष से अधिक आयु के हैं, लेकिन नियमित व्यायाम और अनुशासित दिनचर्या के कारण वे स्वस्थ और प्रसन्न नजर आते हैं. वाजपेयी द्वारा प्रतिदिन करीब 30 से 35 फीट के दायरे में 12 से अधिक प्रकार की शारीरिक व्यायाम क्रियाएं कराई जाती हैं. इनमें गर्दन, आंखों, भुजाओं, सीने, कमर, घुटनों और उंगलियों से संबंधित व्यायाम शामिल हैं. कार्यक्रम की शुरुआत सूर्य नमस्कार से होती है, वहीं प्रतिदिन 300 तालियां लयबद्ध तरीके से बजाकर वातावरण को उत्साहपूर्ण बनाया जाता है.

> स्वास्थ्य के साथ भारतीय संस्कृति को भी समूह की गतिविधियों में विशेष स्थान दिया गया है. हरेराम वाजपेयी भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीय पर्व एवं तीज-त्योहार, पर्यावरण और सामाजिक विषयों पर सदस्यों को जानकारी देते हैं.
>
>
>
> समूह में प्रत्येक सदस्य का जन्मदिन भी शुभकामनाओं के साथ मनाया जाता है .इस तरह 'हरिओम' समूह ने लालबाग में अपनी अलग पहचान बनाई है. समूह का उद्देश्य भी स्पष्ट है- स्वयं को स्वस्थ रखें, हंसें और हंसाएं. स्वास्थ्य, प्रसन्नता और सांस्कृतिक चेतना का यह प्रयास समाज के लिए एक प्रेरणादायी उदाहरण बन रहा है.

आज की द्रौपदीः मंच से उठी अन्याय के विरुद्ध बुलंद पुकार

नव भारत न्यूज

इंदौर. रंगलीला आर्ट ऑफ गैलरी में प्रस्तुत एकल एवं प्रयोगधर्मी नाट्य प्रस्तुति आज की द्रौपदी ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया. महाभारत की द्रौपदी के माध्यम से वर्तमान समाज में महिलाओं की स्थिति, संघर्ष, आत्मसम्मान और अधिकारों को प्रभावशाली ढंग से मंचित किया गया.

नाटक में सारिका दीक्षित, डॉ. पंकज उपाध्याय एवं मिलिंद मुळे ने अपने सशक्त अभिनय से पात्रों को जीवंत कर दिया. कलाकारों की भावपूर्ण प्रस्तुति ने दर्शकों को महाभारत काल से लेकर वर्तमान समय तक की सामाजिक परिस्थितियों से जोड़ते हुए गंभीर चिंतन के लिए प्रेरित किया. प्रस्तुति में द्रौपदी केवल एक पौराणिक पात्र नहीं, बल्कि आज की उस हर महिला का स्वर बनकर उभरी जो अन्याय, भेदभाव और शोषण के विरुद्ध संघर्ष कर रही है. मंच पर प्रस्तुत संवाद, भाव-भंगिमाएं और नाटकीय प्रभाव दर्शकों के मन को गहराई तक स्पर्श करते रहे. नाटक का निर्देशन डॉ. पंकज उपाध्याय ने किया। उनके कुशल निर्देशन में प्रस्तुति ने सामाजिक सरोकारों को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया। नाटक के अंत में नारी जागरण, आत्मबल और सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दर्शकों तक पहुंचा। दर्शकों ने प्रस्तुति को समकालीन समाज का सशक्त प्रतिबिंब बताते हुए कलाकारों और निर्देशक की भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम के समापन पर सभागार देर तक तालियों की गूंज से गूंजता रहा।

बाल कथावाचक मधुकंठ दास को किया सम्मानित

इंदौर. बहुत ही कम आयु में श्रीमद्भगवद्गीता एवं श्रीमद्भागवतम के हजारों श्लोकों का सस्वर पाठ करने वाले बाल कथावाचक मधुकंठ दास को वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ़ एक्सीलेंस सम्मान दिया गया है. इस अवसर पर इस्कॉन ब्यूरो के वॉयस चेयरमैन महामन प्रभुजी, वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस के वॉयस प्रेसिडेंट संजय पंजवानी सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे.

हैप्पी कम्युनिटी का जीवंत उदाहरण बने रहवासी, स्काई लग्जुरिया में फेस्टिवल के साथ सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी भी

सोसायटी विजिट

नव भारत न्यूज

इंदौर. आमतौर पर बड़ी रेजिडेंशियल सोसाइटी के रहवासी एक परिसर में रहते हुए एक-दूसरे से अनजान रहते हैं, लेकिन निपानिया रोड़ की प्रीमियम टाउनशिप स्काई लग्जुरिया में रहने वाले पड़ोसी अब परिवार बन गए है. स्काई लग्जुरिया में पूरे साल के त्योहारो के लिए बाकायदा एक फेस्टिवल कैलेंडर बनाया जाता है. इसमें अलग-अलग आयु वर्गों को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं.

गणेश उत्सव से लेकर नवरात्रि, दशहरा, दीपावली, होली, लोहड़ी, न्यू ईयर, बाल दिवस, गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस तक विभिन्न आयोजनों में बच्चे, युवा, महिलाएँ और वरिष्ठ नागरिक उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं. स्काई लग्जुरिया के रहवासी सामाजिक जिम्मेदारी निभाने में भी पीछे नहीं है. सोसायटी में बड़ा हिस्सा ग्रीन और गार्डन एरिया के रूप में विकसित किया गया है, जहाँ विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधे लगाए गए हैं. इसके साथ ही वॉटर रिचार्ज सिस्टम के माध्यम से जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण पर भी ध्यान दिया गया है. राष्ट्रीय पर्वों पर रहवासियों द्वारा ब्लड डोनेशन कैंप में ब्लड डोनेट किया जाता है. टाउनशिप में स्विमिंग पूल, क्लब हाउस, जिम, बास्केटबॉल, टेबल टेनिस, गार्डन सहित अनेक सुविधाएँ हैं. रिजवान खान बताते है कि अलग सोच, विचार और पृष्ठभूमि से होने के बावजूद त्योहार, खेल, सामाजिक गतिविधियाँ

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ बाहरी कलाकारों की प्रस्तुतियां भी

सोसायटी के कल्चरल कमेटी के मेंबर रिजवान खान ने बताया कि यहाँ के कार्यक्रमों में टैलेंट शो, फैशन शो, बॉलीवुड नाइट्स, भजन संध्या और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ बाहरी कलाकारों की प्रस्तुतियाँ भी होती हैं. त्योहारों पर 8 हजार लोगों के लिए विशाल भंडारे का आयोजन होता है.

एक-दूसरे को करीब लाती है. स्काई लग्जुरिया को हैप्पी कम्युनिटी के रूप में देखा जा सकता है.

218 परिवार, 8 टॉवर और बड़ी फैमिली -218 परिवारों की प्रीमियम सोसायटी सिर्फ रहने की जगह नहीं, बल्कि सुख-दुख बाँटने, त्योहार मनाने और एक दूसरे के लिए खड़े होने वाली जीवंत कम्युनिटी का उदाहरण है.

मॉर्निंग वॉक और किटी पार्टी भी - सोसायटी में मॉर्निंग वॉक, सीनियर सिटीजन से लेकर विमेंस ग्रुप भी एक्टिव हैं. रहवासी फैमिली पिकनिक और रिसोर्ट आउटिंग भी करते है.

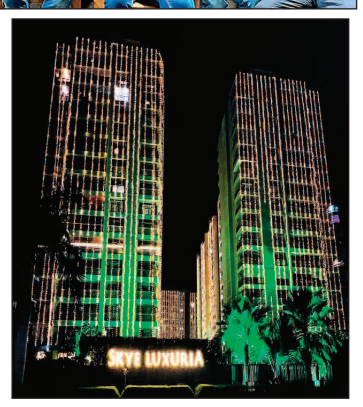

एक नजर में महिलाओं ने दिनभर निर्जला व्रत रखकर पति की लंबी आयु की कामना की एवं परिवार की सुख-समृद्धि की की कामना की

माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने मनाया सातुड़ी तीज पर्व, पारंपरिक वेशभूषा में किया पूजन

नव भारत न्यूज

इंदौर. माहेश्वरी समाज की महिलाओं के द्वारा सातुड़ी तीज पर्व बड़े उत्साह के साथ मनाया गया. महिलाओं ने दिनभर निर्जला व्रत रखकर पति की लंबी आयु की कामना की एवं परिवार के सुख समृद्धि की की कामना की.

इंदौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा सातुड़ी तीज का त्योहार भव्य एवं पारंपरिक रूप से मनाया गया. संस्था अध्यक्ष पुष्पा मौलासरिया एवं सचिव मीनाक्षी नवाल ने बताया कि सातुड़ी तीज पर तीज माता (नीम) का पूजन महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा एवं सोलह श्रृंगार में सजकर किया. तीज माता के पूजन में विशेष कर कच्चा दूध, ककडी ,नींबू और सत्तू का भोग लगाया जाता है. तलाई में कच्चे दूध में नथ, चीर ककड़ी और नींबू की परछाई देखी जाती है. अर्चना माहेश्वरी, सुलोचना मंत्री, नीलम बेड़िया ने बताया कि सातुड़ी तीज के अवसर पर महिलाओं ने सत्तू का विशेष भोग अर्पित किया तथा तीज माता की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं अखंड सौभाग्य की कामना की गई. रात में चंद्रोदय के बाद सामूहिक रूप से चन्द्रमा को अर्घ्य दिया. कच्चा दूध पीकर और सत्तू पास कर व्रत संपूर्ण किया.

सत्तू मिठाई अन्य समाज में भी लोकप्रिय

माहेश्वरी समाज में बनाए जाने वाले सत्तू की मांग अन्य समाज के लोगों द्वारा भी लगातार की जाती है. इसलिए हर घर से अतिरिक्त सत्तू बनाकर बंधु बांधवों को भेजा जाता है. उल्लेखनीय है कि इस त्यौहार की तैयारी संगठन एक माह पूर्व से करते हैं. सातुड़ी तीज के त्यौहार के लिए संगठन द्वारा 50 क्विंटल सत्तू चना, गेहूं और चावल का तैयार करके समाजजन में अत्यंत उचित मूल्य पर दिया जाता है.